वृक्ष उत्पादक मेलाः कृषि वानिकी एवं समृद्धि का संगम

वृक्ष उत्पादक मेला एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका आयोजन मुख्य रूप से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, वन विभाग और कृषि से जुड़ी अन्य संस्थाओं द्वारा किया जाता है। यह एक ऐसा आयोजन है, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों और हितधारकों को एक मंच पर लाना है, जिससे उन्हें कृषि वानिकी की आधुनिक तकनीकों से जोड़ना और उन्हे पेड़ों की खेती से पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ आर्थिक लाभ कमाने के लिए प्रेरित करना है। यह किसानों और वानिकी विशेषज्ञों के बीच ज्ञान और अनुभव के आदान–प्रदान का एक प्रभावी मंच है। साथ ही विभिन्न प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से कृषि वानिकी को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता अभियान, प्रगतिशील किसानों का सम्मान तथा वैज्ञानिक–कृषक संवाद आदि का आयोजन किया जाता है। अर्थात कहा जा सकता है वृक्ष उत्पादक मेला केवल पेड़–पौधों की प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह हरियाली बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम है। यह किसानों को एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाता है, जहाँ वे पर्यावरण की रक्षा करते हुए भी आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

डॉ0 संजय सिंह

वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा दिनांक 19.09.2025 को गोण्डा जनपद के जिला पंचायत सभागार में एक दिवसीय **वृक्ष उत्पादक मेला** का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय राज्य मंत्री (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार) कीर्ति वर्धन सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने केन्द्र द्वारा आयोजित मेला की सराहना करते हुए सभा को सम्बोधित किया। उन्होने पर्यावरण, कृषिवानिकी और वृक्ष उत्पाद के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए कहा कि वृक्ष उत्पादकता केवल खेतों या आय तक सीमित नहीं है, यह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए जीवनदायिनी है। प्रत्येक पेड़ स्वच्छ वायु, जल और बेहतर स्वास्थ्य का आधार है। गांवों में हरियाली बढ़ने से पक्षियों और जीव–जन्तुओं की विविधता भी संरक्षित होती है। यदि आप अपने खेतों, बंजर जमीन और चारागाहों पर पेड़ लगाने का संकल्प लेते हैं, तो यह आपके परिवार की समृद्धि, क्षेत्र की हरियाली और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का आधार बनेगा। इसी क्रम में उन्होने कहा कि भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज की ओर से जिला पंचायत सभागार में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है तथा समाज को हरित भविष्य की ओर प्रेरित करने वाला अति आवश्यक और सराहनीय प्रयास भी है। उन्होने कहा कि मनुष्य की वृक्षों और वनों पर निर्भरता आदिकाल से रही है। वन और वानिकी आधारित उद्योगों ने मानव सभ्यता के विकास को गति दी है, लेकिन समय के साथ जनसंख्या के निरन्तर बढ़ते दबाव ने वन क्षेत्र और उनके स्वरूप को प्रभावित किया है। तीव्र औद्योगिकीकरण, शहरीकरण तथा वन संसाधनों के अनियमित दोहन के कारण वनों की क्षति लगातार हो रही है। अनुमान है कि 1990 के बाद से लगभग 420 मिलियन हेक्टेअर जंगल अन्य भूमि उपयोगों में परिवर्तित होकर नष्ट हो चुके हैं। भूमि संसाधनों और वनों का क्षरण आज हमारे सामने एक गम्भीर चुनौती बन चुका है। उन्होने कहा कि प्राकृतिक वनों की कमी से पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं में भी कमी आती है। ऐसी परिस्थिति में किसानों और समुदायों को अतिरिक्त भूमि संसाधनों पर वृक्षारोपण कर वानिकी के विभिन्न उपक्रम अपनाने होंगे। इससे न केवल आजीविका के साधनों में बढ़ोत्तरी होगी, बल्कि पर्यावरण सन्तुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। वानिकी का तात्पर्य मात्र वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें अनेक गतिविधियां सम्मिलित हैं, जो इसे व्यापक बनाती हैं। कृषि वानिकी जहां कृषि फसलों के साथ वृक्षों को उगाकर भूमि की उत्पादकता बढ़ाती है, वहीं अकाष्ठ वन उत्पादों से जुड़े कार्य किसानों के लिए संग्रहण, उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विपणन के अवसर उपलब्ध कराते हैं। औषधीय पौधे, बांस, लाख, तसर, रेशम आदि को कृषि वानिकी में शामिल करने से किसानों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। साथ ही जैविक खेती और वन तकनीक से प्लावित एवं अवकृष्ट भूमि को भी सुधारकर फसल उत्पादन योग्य बनाया जा सकता है। केन्द्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह द्वारा वृक्ष उत्पादक मेला में लगाए गए प्रदर्शन स्टालों यथा पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, सीमैप–लखनऊ, बीएसआई–प्रयागराज, सदाफल–प्रयागराज, जैविक खाद–, रेशम विकास विभाग–गोण्डा, ऋषीग्राम–प्रतापगढ़ एवं वर्मी कम्पोस्ट–गोण्डा आदि का उद्घाटन किया गया साथ ही सभी स्टालों का अवलोकन करते हुए कुछ सुझाव भी दिया गया। गोण्डा जनपद की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा कृषि, उद्यान एवं वन विभागों से परम्परागत खेती के साथ वानिकी को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्रा, कमलेश पाण्डेय, एसडीएम सदर अशोक कुमार गुप्ता, सीओ विनय कुमार सिंह, डीडीओ सुशील कुमार श्रीवास्तव, कृषि उपनिदेशक प्रेम ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य अतिथि, केन्द्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह एवं मंचासीन अन्य अतिथियों का स्वागत द्वारा किया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून की डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) द्वारा प्रस्तावना वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। तकनीकी सत्रों में कृषि वानिकी की विभिन्न प्रजातियों पॉपलर, गम्हार, सहजन, बांस, मीलिया डूबिया, चन्दन, सागौन, यूकेलिप्टस, महोगनी आदि पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए और किसानों की जिज्ञासाओं का उत्तर दिया। वृक्ष उत्पादक मेला ने क्षेत्र में जागरूकता और उत्साह का नया संचार किया। इस आयोजन का उद्देश्य वृक्षारोपण, कृषि वानिकी और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समाज तक पहुंचाना रहा। मेले में विभिन्न प्रकार के वृक्ष उत्पादों, पौधों और उनके संवर्धन से जुड़ी उपयोगी जानकारियां किसानों से साझा की गयी। कार्यक्रम के अन्त में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव तथा आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

पर्यावरण और कृषि वानिकी पर नाटक, आल्हा, जादू, कठपुतली

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा जिला पंचायत सभागार, गोण्डा में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम के सत्र में नाटक, आल्हा, गायन, जादू, कठपुतली के माध्यम से पर्यावरण के महत्व को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया गया। बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों ने नाटक **"जंगल है तो मंगल है"** में कृषि वानिकी और वृक्ष उत्पादन के महत्व को दिलचस्प अन्दाज में अभिनय कला के माध्यम से व्यक्त किया। प्रवीण शेखर और अमर सिंह के निर्देशन में कलाकारों ने रुचिकर कथा संरचना व दृश्यों के माध्यम से हर मेड़ पर पेड़ और मां के नाम एक पेड़ की बात को दर्शकों की भावनाओं से जोड़ा। इस प्रस्तुति के कलाकार थे अमर सिंह, प्रत्यूष वर्सने, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, प्रियांशु शुक्ला एवं हर्ष यादव। नाटक का मूल विचार प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के प्रमुख, डॉ. संजय सिंह का था और नाटक लिखा सुपरिचित रंगकर्मी प्रवीण शेखर ने। लोकप्रिय युवा आल्हा गायिका शीलू सिंह राजपूत (रायबरेली) ने वीर रस प्रधान आल्हा से श्रोताओं का मनोरंजन करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया। रवीन्द्र केसरवानी (प्रयागराज) ने जादू के कई खेल दिखाए और शिल्पी कला केन्द्र (प्रतापगढ़) के कलाकारों ने कठपुतली के खेल से मनोरंजन किया।

आयोजित मेला में प्रगतिशील किसानों को वृक्ष उत्पादन हेतु सम्मान

आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला के अवसर पर क्षेत्र के बीस प्रगतिशील किसानों को माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री द्वारा सम्मानित भी किया गया। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा नामित कृषक थे, जिनमें ओम प्रकाश मिश्र, प्रवीण कुमार सिंह, बेचन मौर्य, सन्तोष मिश्र, राकेश मौर्य, जगत आराम प्रजापति, रामछवि मौर्य, राजेन्द्र पाण्डेय, राज सिंह, जनकराम वर्मा, रमेश कुमार चौहान, अछेबर सिंह, शारदाकान्त पाण्डेय, ओम प्रकाश पाण्डेय, अरुण तिवारी, यदुनन्दन सिंह पुजारी, उत्कृष्ट पाण्डेय, राजेन्द्र वर्मा, राम भजन राय, अरविन्द सिंह आदि। किसानों द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र में स्वयं द्वारा किए गए विशिष्ट कार्यों को साझा भी किया गया।

प्रदर्शन शिविर का उद्घाटन एवं भ्रमण

Welcome to Rishigram
Cultivate Sandalwood With Rare Herbs And Make Your Life Happy
RISHIGRAM ORGANICS

वैदिक हवन सामग्री
आँवला लड्डू

ANI

BUY 1
GET 1 FREE

MIYAWAKI PLANTATION

शहतूती रेशम
रेशम विकास विभाग
जनपद - गोण्डा
आपका हार्दिक स्वागत करता है

कार्यक्रम का शुभारम्भ एवं प्रगतिशील कृषकों का सम्मान

ANI
IANS

IANS
ANI
CMD
Gonda

केन्द्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन व विदेश मंत्रालय, भारत सरकार
ANI
IANS
CMD

19 सितम्बर 2025
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

वृक्ष उत्पादक मेला

वृक्ष उत्पादक मेला
मुख्य अतिथि- कीर्तिवर्धन सिंह (राजा भैया)

वृक्ष उत्पादक मेला

माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री के साथ अन्य सम्मानित वक्तागण

प्रगतिशील कृषकों का सम्मान

वृक्ष उत्पादक मेला
दैनिक अखबार की सुर्खियों में

समाज और पर्यावरण के लिए जीवनदायिनी है वृक्ष उत्पादकता : कीर्ति वर्धन सिंह

किसानों और समाज के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज का सराहनीय आयोजन

पर्यावरण और कृषि वानिकी पर नाटक, आल्हा, जादू, कठपुतली

गोंडा। भा. वा. अ. शि. प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज की ओर से जिला पंचायत सभागार में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम के सत्र में नाटक, आल्हा गायन, जादू, कठपुतली के माध्यम से पर्यावरण के महत्व को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया गया। बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों ने नाटक श्जंगल है तो मंगल हैश में कृषि वानिकी और वृक्ष उत्पादन के महत्व और जरूर को दिलचस्प अंदाज में अभिनय कला के माध्यम से व्यक्त किया। प्रवीण शेखर और अमर सिंह के निर्देशन में कलाकारों ने रुचिकर कथा संरचना व दृश्यों के माध्यम से हर मेड़ पर पेड़ और मां के नाम एक पेड़ की बात को दर्शकों की भावनाओं से जोड़ा। इस प्रस्तुति के कलाकार थे अमर सिंह, प्रत्यूष वर्सने, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, प्रियांशु शुक्ला, हर्ष यादव। नाटक का मूल विचार प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक और पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह का था और नाटक लिखा सुपरिचित रंगकर्मी प्रवीण शेखर ने। लोकप्रिय युवा आल्हा गायिका शीलू सिंह राजपूत (रायबरेली) ने वीर रस प्रधान आल्हा से श्रोताओं का मनोरंजन करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रवींद्र केसरवानी (प्रयागराज) ने जादू के कई खेल दिखाए और शिल्पी कला केंद्र (प्रतापगढ़) के कलाकारों ने कठपुतली के खेल से मनोरंजन किया।

वृक्ष उत्पादक मेला में किसानों का सम्मान

गोंडा। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया। पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र प्रयागराज की ओर से जिन किसानों को सम्मानित किया गया उनमें ओम प्रकाश मिश्र, प्रवीण कुमार सिंह, बेचन मौर्य, संतोष मिश्र, राकेश मौर्य, जगत आराम प्रजापति, रामछवि मौर्य, राजेन्द्र पांडेय, राज सिंह, जनकराम वर्मा, रमेश कुमार चौहान, अछैबर सिंह, शारदाकांत पांडेय, ओमप्रकाश पांडेय, अरुण तिवारी, यदुनंदन सिंह पुजारी, उत्कृष्ट पांडेय, राजेंद्र वर्मा, राम भजन राय, अरविंद सिंह।

मोहन धारा संवाददाता

गोंडा। श्वृक्ष उत्पादकता केवल खेतों या आय तक सीमित नहीं है, यह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए जीवनदायिनी है। हर लगाया गया पेड़ स्वच्छ वायु, जल और बेहतर स्वास्थ्य का आधार है। गाँवों में हरियाली बढ़ने से पक्षियों और जीव–जंतुओं की विविधता भी संरक्षित होती है। आप सभी इस पूरे अभियान की रीढ़ हैं। यदि आप अपने खेतों, बंजर जमीन और चारागाहों पर पेड़ लगाने का संकल्प लेते हैं, तो यह आपके परिवार की समृद्धि, क्षेत्र की हरियाली और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का आधार बनेगा। पर्यावरण, कृषि वानिकी और वृक्ष उत्पाद के संबंध में यह बातें भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने वृक्ष उत्पादक मेला में कहीं।

भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज की ओर से जिला पंचायत सभागार में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला में न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि समाज को हरित भविष्य की ओर प्रेरित करने वाला बहुत जरूरी और सराहनीय प्रयास भी है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री सिंह ने आगे कहा मनुष्य की वृक्षों और वनों पर निर्भरता आदिकाल से रही है। वन और वानिकी आधारित उद्योगों ने मानव सभ्यता के विकास को गति दी है। लेकिन समय के साथ जनसंख्या के निरंतर बढ़ते दबाव ने वन क्षेत्र और उनके स्वरूप को प्रभावित किया है। तीव्र औद्योगिकीकरण, शहरीकरण तथा वन संसाधनों के अनियमित दोहन के कारण वनों की क्षति अभूतपूर्व एवं स्थायी रूप से हुई है। अनुमान है कि 1990 के बाद से लगभग 420 मिलियन हेक्टेयर जंगल अन्य भूमि उपयोगों में परिवर्तित होकर नष्ट हो चुके हैं। भूमि संसाधनों और वनों का क्षरण आज हमारे सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वनों की कमी से पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं में भी कमी आती है। ऐसी परिस्थिति में किसानों और समुदायों को अतिरिक्त भूमि संसाधनों पर वृक्षारोपण कर वानिकी के विभिन्न उपक्रम अपनाने होंगे। इससे न केवल आजीविका के साधनों में बढ़ोतरी होगी, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। वानिकी का तात्पर्य मात्र वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है। इसमें अनेक गतिविधियाँ सम्मिलित हैं जो इसे व्यापक बनाती हैं। कृषि–वानिकी जहाँ कृषि फसलों के साथ वृक्षों को उगाकर भूमि की उत्पादकता बढ़ाती है, वहीं अकाष्ठ वन उत्पादों से जुड़े कार्य किसानों के लिए संग्रहण, उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विपणन के अवसर उपलब्ध कराते हैं। औषधीय पौधे, बांस, लाख, तसर रेशम आदि को कृषि–वानिकी में शामिल करने से किसानों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। साथ ही, जैविक खेती और वन तकनीक से प्लावित एवं अवकृष्ट भूमि को भी सुधारकर फसल उत्पादन योग्य बनाया जा सकता है।

वृक्ष उत्पादक मेला का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। उनका और अन्य अतिथियों का स्वागत पारिस्थितिक पूर्ण स्थापना केंद्र प्रयागराज के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून की सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) में प्रस्तावना वक्तव्य दिया। ध न्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने किया।

तकनीकी सत्रों में कृषि वानिकी की विभिन्न प्रजातियों पॉपलर , गमहार, सहजन, बांस , मीलिया डूबिया, चंदन, सागौन, यूकेलिप्टस, महोगनी आदि पर कई विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए और किसान ऑन की जिज्ञासाओं का जवाब दिया। वृक्ष उत्पादक मेला ने क्षेत्र में जागरूकता और उत्साह का नया संचार किया। इस आयोजन का उद्देश्य वृक्षारोपण, कृषि–वृक्षिकी और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समाज तक पहुँचाना रहा। मेले में विभिन्न प्रकार के वृक्ष उत्पादों, पौधों और उनके संवर्धन से जुड़ी उपयोगी जानकारियाँ किसानों से साझा की गईं। इस सफल आयोजन के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज की पहल की सर्वत्र सराहना की जा रही है।

आरटीओ ने एआरटीओ कार्यालय का

सहूलियत मिले तो किसान दिखाएं कृषि वानिकी में दिलचस्पी

वृक्ष उत्पादक मेले में किसानों ने साझा किए विचार समाधान का मिला आश्वासन

संसू, जागरण • गोंडाः दोपहर के 12.30 बज रहे थे। जिला पंचायत सभागार में कृषि वानिकी को लेकर चर्चा चल रही थी। थोड़ी देर बाद माइक लखीमपुर खीरी के किसान यदुनंदन सिंह पुजारी को थमाई गई। उन्होंने कहा कि कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए सबसे पहले सागौन व चंदन के पेड़ को शामिल किया जाए। किसान वृक्ष तो तैयार कर लेता है, लेकिन काटने की अनुमति के लिए चक्कर लगाकर ऐड़ियां घिस जाती है। यही नहीं, औषधियों की खेती तो किसान कर लेता है, लेकिन बाजार न होने से उचित लाभ नहीं मिल पाता। किसानों को फार्मेसी कंपनी को सीधे औषधि बेचने की सुविधा दी जाए। सहूलियत मिले तो किसान कृषि वानिकी में दिलचस्पी दिखाएं। अयोध्या के किसान राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने कहा कि किसान जबतक खेती के आय-व्यय पर ध्यान नहीं देंगे, तबतक सफल नहीं हो सके। किसानों के सवालों का न सिर्फ अतिथियों व विशेषज्ञों ने जवाब दिया बल्कि, समाधान का भरोसा भी दिलाया।

कम समय में ज्यादा लाभ देने वाले पौधे करें प्रस्तावितः डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि मेले से अच्छी चीजें सीखकर किसान जाएं और लाभ उठाएं। कृषि वानिकी को अपनाकर आय में वृद्धि करें। कर्नलगंज विधायक अजय कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को पर्यावरण, कमाई के साथ ही सभी प्रकार की जानकारी दी जाए।

तरबगंज विधायक प्रेम नरायन पांडेय ने कहा कि पेड़-पौधे जीवन के अमूल्य हैं। एमएलसी अवधेश कुमार उर्फ मंजू सिंह ने कहा कि देवीपाटन मंडल में यहां के वातावरण के अनुसार कम समय में अधिक लाभ देने वाले पौधे की रोपाई के लिए प्रस्तावित किया जाए। इस अवसर पर मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री ने कहा कि वृक्ष उत्पादन, अमृत उत्पादन के बराबर है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री के प्रतिनिधि राजेश सिंह, कमलेश पांडेय, यूपी सिंह के अलावा डीडीओ सुशील कुमार भी उपस्थित रहे। मेले में लगाए गए विभिन्न स्टालों का अतिथियों ने भ्रमण करउनके बारे में जानकारी ली।

जिला पंचायत सभागार में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेले में उपस्थित किसान • जागरण

किसानों को जड़ी–बूटियों का बाजार भी उपलब्ध कराया जाए

रामभजन राय

उत्कर्ष पांडेय

प्रवीण सिंह

राघवराम मिश्र

ओम प्रकाश पांडेय

उत्कर्ष पांडेय ने कहा कि वानिकी से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण व सुविधाएं मिलें। गाजीपुर के राम भजन राय ने कहा कि जड़ी–बूटियों का बाजार उपलब्ध कराएं। मनकापुर के प्रवीण सिंह, मुजेहना के राघवराम मिश्र, खजुरी निधि के ओम प्रकाश पांडेय ने कहा कि किसानों को तकनीकी जानकारी व सुविधाएं मिलें तो वानिकी को बढ़ावा मिले।

पर्यावरण और कृषि वानिकी पर नाटक, आल्हा, जादू, कठपुतली से मोहा मन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम के सत्र में नाटक, आल्हा गायन, जादू, कठपुतली के माध्यम से पर्यावरण के महत्व को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया गया। बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों ने नाटक 'जंगल है तो मंगल है' में कृषि वानिकी और वृक्ष उत्पादन के महत्व को अभिनय कला के माध्यम से बताया। प्रवीण शेखर और अमर सिंह के निर्देशन में कलाकारों ने हर मेड़ पर पेड़ और मां के नाम एक पेड़ की बात को दर्शकों की भावनाओं से जोड़ा। अमर सिंह, प्रत्यूष वर्सने, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, प्रियांशु शुक्ला, हर्ष यादव ने प्रस्तुतियों से मन मोह लिया। नाटक का मूल विचार प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक और पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र के प्रमुख डा. संजय सिंह का था और नाटक लिखा, रंगकर्मी प्रवीण शेखर रहे। शीलू सिंह राजपूत ने वीर रस प्रधान आल्हा से श्रोताओं का मनोरंजन करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रवींद्र केसरवानी ने जादू के कई खेल दिखाए और शिल्पी कला केंद्र के कलाकारों ने कठपुतली के खेल से मनोरंजन किया।

स्टाल पर किसान को औषधीय पौध देते कर्मचारी नेता सूर्य किशोर मिश्र • जागरण

किसानों को सागौन की कटाई व बिक्री के लिए अनुमति लेने से जल्द मिलेगी छूट

जिला पंचायत सभागार में प्रगतिशील किसान प्रवीण सिंह को सम्मानित करते केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, साथ में डीएम प्रियंका निरंजन, विधायक रमापति शास्त्री, प्रेम नरायन पांडेय, अजय कुमार सिंह, एमएलसी अवधेश कुमार उर्फ मंजू सिंह • जागरण

जासं • गोंडाः सागौन की खेती करने वाले किसानों को केंद्र सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। उन्हें सागौन काटने व बिक्री करने के लिए अनुमति के लिए भागदौड़ नहीं करना पड़ेगा, पीएमओ कार्यालय के सचिव के साथ बैठक करके योजना बनाई है। जल्द ये पूरे देश में लागू होगी।

ये जानकारी जिला पंचायत सभागार में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेले में केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने दी। उन्होंने डीएम से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने के लिए कहा है, जिससे ये सुविधा सबसे पहले उत्तर प्रदेश से शुरू हो। कहा कि किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए कृषि वानिकी से जुड़ना होगा। प्रत्येक वर्ष भारत 60-70 हजार करोड़ रुपये की लकड़ी विदेश से खरीदता है, जिसमें से 30-35 हजार करोड़ रुपये के बांस की खरीदारी होती है। दक्षिण भारत के कोयंबटूर में अलग-अलग प्रजाति के पौधे तैयार किए जाते हैं। यहां तैयार सागौन के पौधे 11 वर्ष में वृक्ष बन जाते हैं। हमें कृषि वानिकी भी खेती की तरह से करना चाहिए। अनुमान है कि 1990 के बाद से लगभग 420 मिलियन हेक्टेयर जंगल अन्य भूमि उपयोगों में परिवर्तित होकर नष्ट हो चुके हैं। भूमि संसाधनों और वनों का क्षरण आज हमारे सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है।

राहुल गांधी का भ्रम जल्द तोड़ देगी जनताः कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सड़कों पर उतरने के वाले बयान पर केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि उन्हें भ्रम है, जिसे जनता जल्द ही तोड़ देगी। आज भारत पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरे स्थान की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में राहुल गांधी की साजिशें कामयाब नहीं होंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को ड्रग्स तस्करी से जुड़े देशों की सूची में शामिल करने सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच वार्ता हो रही है। नेपाल से व्यापार बढ़ाने को भी आवश्यक पहल का आश्वासन दिया।

मिला सम्मानः गोंडा से ओम प्रकाश मिश्र, प्रवीण सिंह, बेचन मौर्य, राकेश मौर्य, संतोष मिश्र, जगतराम प्रजापति, राजेंद्र पांडेय, रामछवि मौर्य, राज सिंह, अछैबर सिंह, शारदाकांत पांडेय, ओम प्रकाश पांडेय, अरुण तिवारी, बलरामपुर से जनकराम वर्मा, रमेश कुमार चौहान, लखीमपुर खीरी से यदुनंदन सिंह पुजारी, प्रतापगढ़ से उत्कर्ष पांडेय, गाजीपुर से राम भजन राय, अयोध्या से राजेंद्र प्रसाद वर्मा व पीलीभीत के अरविंद सिंह।

समाज और पर्यावरण के लिए जीवनदायिनी है वृक्ष उत्पादकता : कीर्ति वर्धन सिंह

वृक्ष उत्पादक मेला: किसानों और समाज के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज का सराहनीय आयोजन

गोंडा। वृक्ष उत्पादकता केवल खेतों या आय तक सीमित नहीं है, यह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए जीवनदायिनी है। हर लगाया गया पेड़ स्वच्छ वायु, जल और बेहतर स्वास्थ्य का आधार है। गाँवों में हरियाली बढ़ने से पक्षियों और जीव-जंतुओं की विविधता भी संरक्षित होती है। आप सभी इस पूरे अभियान की रीढ़ हैं। यदि आप अपने खेतों, बंजर जमीन और चारागाहों पर पेड़ लगाने का संकल्प लेते हैं, तो यह आपके परिवार की समृद्धि, क्षेत्र की हरियाली और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का आधार बनेगा।पर्यावरण, कृषि वानिकी और वृक्ष उत्पाद के संबंध में यह बातें भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने वृक्ष उत्पादक मेला में कहीं।भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज की ओर से जिला पंचायत सभागार में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला में न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि समाज को हरित भविष्य की ओर प्रेरित करने वाला बहुत जरूरी और सराहनीय प्रयास भी है।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री सिंह ने आगे कहा मनुष्य की वृक्षों और वनों पर निर्भरता आदिकाल से रही है। वन और वानिकी आधारित उद्योगों ने मानव सभ्यता के विकास को गति दी है। लेकिन समय के साथ जनसंख्या के निरंतर बढ़ते दबाव ने वन क्षेत्र और उनके स्वरूप को प्रभावित किया है। तीव्र औद्योगिकीकरण, शहरीकरण तथा वन संसाधनों के अनियमित दोहन के कारण वनों की क्षति अभूतपूर्व एवं स्थायी रूप से हुई है। अनुमान है कि 1990 के बाद से लगभग 420 मिलियन हेक्टेयर जंगल अन्य भूमि उपयोगों में परिवर्तित होकर नष्ट हो चुके हैं। भूमि संसाधनों और वनों का क्षरण आज हमारे सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वनों की कमी से पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं में भी कमी आती है। ऐसी परिस्थिति में किसानों और समुदायों को अतिरिक्त भूमि संसाधनों पर वृक्षारोपण कर वानिकी के विभिन्न उपक्रम अपनाने होंगे। इससे न केवल आजीविका के साधनों में बढ़ोतरी होगी, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। वानिकी का तात्पर्य मात्र वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है। इसमें अनेक गतिविधियाँ सम्मिलित हैं जो इसे व्यापक बनाती हैं। कृषि-वानिकी जहाँ कृषि फसलों के साथ वृक्षों को उगाकर भूमि की उत्पादकता बढ़ाती है, वहीं अकाष्ठ वन उत्पादों से जुड़े कार्य किसानों के लिए संग्रहण, उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विपणन के अवसर उपलब्ध कराते हैं। औषधीय पौधे, बांस, लाख, तसर रेशम आदि को कृषि-वानिकी में शामिल करने से किसानों को अतिरिक्त आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। साथ ही, जैविक खेती और वन तकनीक से प्लावित एवं अवकृष्ट भूमि को भी सुधारकर फसल उत्पादन योग्य बनाया जा सकता है।

वृक्ष उत्पादक मेला का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। उनका और अन्य अतिथियों का स्वागत पारिस्थितिक पूर्ण स्थापना केंद्र प्रयागराज के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून की सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) में प्रस्तावना वक्तव्य दिया। धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने किया।

तकनीकी सत्रों में कृषि वानिकी की विभिन्न प्रजातियों पॉपलर , गमहार, सहजन, बांस , मीलिया डूबिया, चंदन, सागौन, यूकेलिप्टस, महोगनी आदि पर कई विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए और किसान आँन की जिज्ञासाओं का जवाब दिया। वृक्ष उत्पादक मेला ने क्षेत्र में जागरूकता और उत्साह का नया संचार किया। इस आयोजन का उद्देश्य वृक्षारोपण, कृषि-वृक्षिकी और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समाज तक पहुँचाना रहा। मेले में विभिन्न प्रकार के वृक्ष उत्पादों, पौधों और उनके संवर्धन से जुड़ी उपयोगी जानकारियाँ किसानों से साझा की गई। इस सफल आयोजन के लिए पारिस्थितिक पुनस्थापना केंद्र, प्रयागराज की पहल की सर्वत्र सराहना की जा रही है।

पर्यावरण और कृषि वानिकी पर नाटक, आल्हा, जादू, कठपुतली

। भा. वा. अ. शि. प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र, प्रयागराज की ओर से जिला पंचायत सभागार में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम के सत्र में नाटक, आल्हा गायन, जादू, कठपुतली के माध्यम से पर्यावरण के महत्व को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया गया। बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों ने नाटक %जंगल है तो मंगल है% में कृषि वानिकी और वृक्ष उत्पादन के महत्व और जरूर को दिलचस्प अंदाज में अभिनय कला के माध्यम से व्यक्त किया। प्रवीण शेखर और अमर सिंह के निर्देशन में कलाकारों ने रुचिकर कथा संरचना व दृश्यों के माध्यम से हर मेड़ पर पेड़ और मां के नाम एक पेड़ की बात को दर्शकों की भावनाओं से जोड़ा। इस प्रस्तुति के कलाकार थे अमर सिंह, प्रत्यूष वर्सने, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, प्रियांशु शुक्ला, हर्ष यादव। नाटक का मूल विचार प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक और पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह का था और नाटक लिखा सुपरिचित रंगकर्मी प्रवीण शेखर ने। लोकप्रिय युवा आल्हा गायिका शीलू सिंह राजपूत (रायबरेली) ने वीर रस प्रधान आल्हा से श्रोताओं का मनोरंजन करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रवींद्र केसरवानी (प्रयागराज) ने जादू के कई खेल दिखाए और शिल्पी कला केंद्र (प्रतापगढ़) के कलाकारों ने कठपुतली के खेल से मनोरंजन किया।

वृक्ष उत्पादक मेला में किसानों का सम्मान

। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया। पारिस्थितिक पुनर्स्थापना केंद्र प्रयागराज की ओर से जिन किसानों को सम्मानित किया गया उनमें ओम प्रकाश मिश्र, प्रवीण कुमार सिंह, बेचन मौर्य, संतोष मिश्र, राकेश मौर्य, जगत आराम प्रजापति, रामछवि मौर्य, राजेन्द्र पांडेय, राज सिंह, जनकराम वर्मा, रमेश कुमार चौहान, अछैबर सिंह, शारदाकांत पांडेय, ओमप्रकाश पांडेय, अरुण तिवारी, यदुनंदन सिंह पुजारी, उत्कृष्ट पांडेय, राजेंद्र वर्मा, राम भजन राय, अरविंद सिंह।

जिला पंचायत सभागार में आईसीएफआरई प्रयागराज की ओर से वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन, किसानों को सम्मानित किया

किसान सागौन-चंदन के पेड़ लगाएं:कीर्तिवर्धन

समारोह

शुक्रवार को वृक्ष उत्पादक मेले में लगी प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन करते केंद्रीय वन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और अन्य।

मेले में स्टाल पर संवाद करते केंद्रीय वन व पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह।

- गोण्डा में पहली बार वृक्ष उत्पादक मेले का किया गया आयोजन
- राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने प्रगतिशील किसानों से सीधा संवाद कर जिले के किसानों से रूबरू कराया

गोण्डा, संवाददाता। वृक्ष उत्पादक मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं बल्कि एक आंदोलन है, ऐसा आंदोलन जो हमें पर्यावरण सरंक्षण, हरित विकास और समृद्ध की ओर अग्रसर कृषि वानिकी की राह दिखाता है। जलवायु परिवर्तन दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में कृषि वानिकी का महत्व और बढ़ जाता है। ये बातें जिला पंचायत सभागार में शुक्रवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वन व पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह राजा भैया ने कहीं। उन्होंने कहा कि सागौन और चंदन के पेड़ लगाने से किसानों की आय बढ़ेगी। समारोह में 20 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

वृक्ष उत्पादक मेला का मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन व विदेश राज्मंत्री कीर्तवर्धन सिंह राजा भैया ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि वृक्ष उत्पादक मेले का मकसद है अपने लोगों के बीच में पेड़ों के महत्व बताना है। जिले में अभी तक ज्यादातर किसान गेहूं, धान को छोड़कर गन्ना बोते हैं। कहा कि सागौन, शीशम और अन्य पेड़ों को लगाने से उनकी आय बढ़ेगी। इसमें वैज्ञानिक उचित जानकारी देंगे। शीशम और चंदन के पेड़ों की कटान स्वीकृति को सरल किया जाएगा। आईसीएफआरई केंद्र प्रमुख प्रयागराज डॉ. संजय सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी किसानों को भारतीय वानिकी अनुसंधान की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए पौधरोपण सुरक्षित करने पर जागरूक किया गया। तरबगंज के विधायक प्रेम नारायण पांडे ने कहा कि मेले से लोगों को कृषि वानिकी के बारे मे जागरूकता आएगी। करनैलगंज विधायक अजय सिंह ने कहा कि आज के समय में किसान खेतों के मेड़ पर व अन्य स्थानों पर सागौन व चंदन के पेड़ लगाएं हैं। जिनको काटने के लिए किसान परेशान होते हैं। जिसकी प्रक्रिया सरल हो। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री/विधायक रमापति शास्त्री, एमएलसी अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह ने भी संबोधित किया। डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि कृषि, उद्यान वन विभाग परंपरागत खेती के साथ वानिकी को बढ़ावा दें।

इन किसानों को किया गया सम्मानित: वृक्ष उत्पादक मेला में शामिल जिले के बीस प्रगति शील किसानों को केन्द्रीय राज्य मंत्री पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन व विदेश मंत्रालय कीर्ति वर्धन सिंह ने सम्मानित किया। इनमें ओम प्रकाश मिश्रा, प्रवीण कुमार सिंह, बेचन मौर्या, राकेश कुमार मौर्या, शारदा कांत पांडे, राकेश चौहान, अरुण तिवारी, जनक राम वर्मा, छवि राम मौर्य, यदुनंदन सिंह, उत्कर्ष पांडे शामिल रहे।

राजा भैया ने किसानों से संवाद किया

कीर्तिवर्धन सिंह ने अन्य जिलों से आए प्रगतिशील किसानों से सीधा संवाद कर जिले के किसानों से रूबरू कराया। लखीमपुर से किसान यदुनंदन सिंह ने कहा कि किसान पौधों को लगाने के लिए एक सीमित जगह बनाए। जिसमें पौधे की प्रजाति तय करें। उन्होंने कहा कि सागौन और चंदन पेड़ को कृषि वानिकी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि अभी तक औषधियों के बाजार की मंडी नहीं है। इससे किसानों को पेड लगाने और बेचने के लिए सोचना पड़ता है। बाबा रामदेव जैसी अन्य आयुर्वेद कंपनियां औषधियों के लिए किसानों से सीधा व्यापार की व्यवस्था बने।

वृक्ष लगाने और उसके महत्व पर जागरूक किया

जिला पंचायत परिसर में शुक्रवार को वृक्ष उत्पादक मेले मे वन विभाग सहित अन्य विभागों ने प्रदर्शनी लगाई। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने फीता काट उद्घाटन किया। इसके बाद सभी स्टालों का अवलोकन किया। नुक्कड़ नाटक और संस्कृतिक आयोजन मे लोगों को वृक्ष लगाने और उसके महत्व पर जागरूक किया गया। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्रा, कमलेश पांडेय, एसडीएम सदर अशोक कुमार गुप्ता, सीओ विनय कुमार सिंह, डीडीओ सुशील कुमार श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक प्रेम ठाकुर आदि रहे।

स्वतंत्र प्रभात
20 Sep 2025 - Page 9

जिला पंचायत सभागार के परिसर में "वृक्ष उत्पादक मेला" का भव्य आयोजन

● इस मेले में गोण्डा ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों से भी बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान हुए उपस्थित

●कार्यक्रम में अन्य जनपदों से पधारे प्रगतिशील किसानों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जिला पंचायत सभागार, गोण्डा में "वृक्ष उत्पादक मेला" का भव्य आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता माननीय सांसद गोण्डा एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने की। इस अवसर पर गोण्डा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं प्रगतिशील किसानों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पाण्डेय, विधायक करनैलगंज श्री अजय सिंह, तथा मा0 एमएलसी गोण्डा/बलरामपुर अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह सम्मिलित हुए। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। भाजपा जिला महामंत्री जसवंत लाल सोनकर सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में वन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं व तकनीकी जानकारियों को किसानों के साथ साझा किया।इस मेले में गोण्डा ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों से भी बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित हुए। इन किसानों ने वृक्ष आधारित खेती, बागवानी, वानिकी उत्पादों के विपणन एवं प्रसंस्करण संबंधी अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने सुझाव दिए कि सरकार को स्थानीय स्तर पर वृक्ष उत्पादों की खरीद, मूल्य निर्धारण एवं प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना पर विशेष ध्यान देना चाहिए। "वृक्ष उत्पादक मेला" के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन मा0 सांसद गोण्डा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर विभागीय योजनाओं, तकनीकी जानकारियों एवं किसानों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों की सराहना की। कार्यक्रम में अन्य जनपदों से पधारे प्रगतिशील किसानों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन किसानों को दिया गया, जिन्होंने वृक्ष आधारित कृषि प्रणाली को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ अपनी आय में भी वृद्धि की है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को वृक्ष आधारित कृषि प्रणाली की ओर प्रेरित करना तथा पर्यावरण संरक्षण में उनकी सहभागिता को बढ़ाना रहा। माननीय मंत्री ने अपने

संबोधन में कहा कि वृक्ष उत्पादन केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए भी एक प्रभावी साधन है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और प्रकृति के संरक्षण में सहभागी बनें।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं प्रेरणादायक उद्बोधनों के साथ हुआ। "वृक्ष उत्पादक मेला" ने किसानों को एक साझा मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने ज्ञान का आदान-प्रदान किया और भविष्य की दिशा तय की।उन्होंने पर्यावरणीय संरक्षण एवं वानिकी विकास के तकनीकी पहलुओं पर जानकारी साझा की। कार्यक्रम ने किसानों को वृक्ष उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर पर्यावरण एवं समृद्धि हेतु वानिकी, भा.वा.अ.शि.प. ङ्क पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र, प्रयागराज के अधिकारीगण, उप जिलाधिकारी सदर गोंडा अशोक कुमार गुप्ता, पुलिस क्षेत्राधिकार विनय कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक प्रेम ठाकुर सहित अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सभागार के परिसर में वृक्ष उत्पादक मेला का किया गया भव्य आयोजन

धारा लक्ष्य समाचार

गोण्डा ।जिला पंचायत सभागार, गोण्डा में ÷वृक्ष उत्पादक मेला÷ का भव्य आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता माननीय सांसद गोण्डा एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने की। इस अवसर पर गोण्डा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं प्रगतिशील किसानों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पाण्डेय, विधायक करनैलगंज श्री अजय सिंह, तथा मा0 एमएलसी गोण्डा/बलरामपुर अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह सम्मिलित हुए। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। भाजपा जिला महामंत्री जसवंत लाल सोनकर सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में वन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं व

तकनीकी जानकारियों को किसानों के साथ साझा किया।इस मेले में गोण्डा ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों से भी बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित हुए। इन किसानों ने वृक्ष आधारित खेती, बागवानी, वानिकी उत्पादों के विपणन एवं प्रसंस्करण संबंधी अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने सुझाव दिए कि सरकार को स्थानीय स्तर पर वृक्ष उत्पादों की खरीद, मूल्य निर्धारण एवं प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ÷वृक्ष उत्पादक मेला÷ के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन मा0 सांसद गोण्डा एवं केंद्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर विभागीय योजनाओं, तकनीकी

जानकारियों एवं किसानों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों की सराहना की। कार्यक्रम में अन्य जनपदों से पधारे प्रगतिशील किसानों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन किसानों को दिया गया, जिन्होंने वृक्ष आधारित कृषि प्रणाली को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ अपनी आय में भी वृद्धि की है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को वृक्ष आधारित कृषि प्रणाली की ओर प्रेरित करना तथा पर्यावरण संरक्षण में उनकी सहभागिता को बढ़ाना रहा। माननीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष उत्पादन केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए भी एक प्रभावी साधन है।

जिला पंचायत सभागार में "वृक्ष उत्पादक मेला" का भव्य आयोजन

अन्य जनपदों से आए प्रगतिशील किसानों को मिला सम्मान, विभागीय स्टॉलों पर मिली तकनीकी जानकारी

खुशबू कनौजिया गोण्डा

गोण्डा। जिला पंचायत सभागार गोंडा में शुक्रवार को "वृक्ष उत्पादक मेला" का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंडा सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा विदेश मंत्रालय ने की। इस मौके पर विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पांडेय, विधायक करनैलगंज अजय सिंह और एमएलसी अवधेश कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और किसान उपस्थित रहे। मेले में गोंडा के अलावा

अन्य जनपदों से भी बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान शामिल हुए। किसानों ने वृक्ष आधारित खेती, बागवानी, वानिकी उत्पादों के प्रसंस्करण व विपणन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और सुझाव दिया कि सरकार को स्थानीय स्तर पर खरीद केंद्र, मूल्य निर्धारण और प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित करनी चाहिए। कार्यक्रम में अन्य जनपदों से आए उन किसानों को प्रतीक चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने वृक्ष आधारित कृषि प्रणाली को अपनाकर न केवल आय बढ़ाई बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया। मेले में वन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग समेत विभिन्न विभागों ने अपने–अपने स्टॉल लगाए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने सभी स्टॉलों का अवलोकन कर अधिकारियों से योजनाओं और तकनीकी जानकारी की विस्तार से जानकारी ली तथा उनके प्रयासों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा – "वृक्ष उत्पादन केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक उन्नति का प्रभावी साधन है। हर किसान को अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर प्रकृति के संरक्षण में योगदान देना चाहिए।"

कार्यक्रम में डीएम प्रियंका निरंजन, एसडीएम सदर अशोक कुमार गुप्ता, सीओ विनय कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक प्रेम ठाकुर, भा.वा.अ.शि.प. प्रयागराज के अधिकारीगण सहित जिले के अन्य प्रशासनिक व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। यह मेला किसानों के लिए ज्ञान साझा करने और तकनीकी जानकारी प्राप्त करने का साझा मंच बना, जिसने पर्यावरण संरक्षण और वानिकी विकास को नई दिशा दी।

दुर्घटना में ट्रेलर चालक की मौत, केबिन काटकर निकाला गया शव

सोनभद्र। मिर्जापुरदृसोनभद्र मुख्य मार्ग पर बगही गांव (हिंदुआरी

चंदन से महकेगा देवीपाटन, सागौन काटना किसानों के लिए आसान

अपना सागौन काटने के लिए नहीं बनवाना होगा परमिट, जल्द लागू होगी नीति

संवाद न्यूज एजेंसी

गोंडा। देवीपाटन मंडल में शुक्रवार को पहली बार वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि किसान बिना परमिट बनवाए ही अपनी जमीन पर लगे सागौन के पेड़ काट सकेंगे। ऐसे पेड़ों को काटने और बेचने के लिए डीएफओ, रेंजर और पुलिस की जी हुजूरी नहीं करनी पड़ेगी।

जिला पंचायत सभागार में आयोजित समारोह में राज्यमंत्री ने कहा कि नई वन नीति को लेकर पीएमओ के सचिव के साथ बैठक की गई है, जिसे जल्द ही पूरे देश में लागू किया जाएगा। देवीपाटन मंडल को चंदन उत्पादक क्षेत्र बनाने की योजना तैयार की जा रही है। एक एकड़ में चंदन के 300 पेड़ तैयार किए जा सकते हैं। 15 वर्षों में पेड़ तैयार हो जाएगा और दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य में बेचा जा सकता है। प्रतिवर्ष 13 लाख से अधिक की कमाई की जा सकती है।

उन्होंने बांस की खेती के बारे में भी बताया। बोले कि हर साल देशभर में 35 हजार करोड़ रुपये का बांस आयात हो रहा है। किसान बांस की खेती करके भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

- **मंत्री ने चखा च्यवनप्राश, किसान की थपथपाई पीठ :** मेले में प्रयागराज की शक्ति फार्मेसी की ओर से लगाए गए स्टॉल पर राज्यमंत्री ने हर्बल च्यवनप्राश चखा। वजीरगंज के किसान शिवकुमार मौर्य की ओर से तैयार हर्बल साबुन को देखकर मंत्री गदगद हो गए और उन्होंने किसान की पीठ थपथपाई।

प्रगतिशील किसान को सम्मानित करते केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह। - संवाद

वृक्ष उत्पादक मेले में केंद्रीय राज्यमंत्री ने किसानों को दी बड़ी सौगात

किसानों से सीधा संवाद

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद प्रयागराज की ओर से आयोजित वन मेले में आए वानिकी किसानों से राज्यमंत्री से सीधा संवाद किया। लखीमपुर के किसान रघुनंदन सिंह ने सवाल पूछा कि सागौन की खेती में सबसे बड़ी दिक्कत उसे बेचने में आती है। विधिक प्रक्रिया में ज्यादा खर्च आता है। इस पर राज्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही नई नीति पूरे देश में लागू होगी। यूपी में इस व्यवस्था के लिए वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना से वार्ता हो चुकी है।

ये भी रहे मौजूद : विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, तरबगंज प्रेम नारायण पांडेय, करनैलगंज अजय सिंह, एमएलसी गोंडा/बलरामपुर अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह और डीएम प्रियंका निरंजन भी मौजूद रहीं।

जनता तोड़ेगी राहुल गांधी का भ्रम

कार्यक्रम के बाद प्रेसवार्ता के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सड़कों पर उतरने वाले बयान पर पलटवार किया। बोले कि राहुल गांधी को जो भ्रम है, जनता उसे जल्द तोड़ेगी। भारत में जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता में बदलाव किया है। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई क्रांति हुई, जिससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर कदम बढ़ा रहा है।

उत्कृष्ट योगदान पर छह जिलों के 17 किसानों का सम्मान

अयोध्या के राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने बताया कि 20 वर्ष से बांस की खेती कर रहे हैं। एक एकड़ में प्रतिवर्ष करीब आठ लाख रुपये की कमाई होती है। बांस बहुत तेजी से विकास करता है।

प्रतापगढ़ के उत्कृष्ट पांडेय ने बताया कि चंदन की खेती कर किसान बड़ी आमदनी कर सकते हैं। गन्ना बोने वाला किसान एक एकड़ में तीन लाख रुपये का मुनाफा नहीं कमा सकता, हम चंदन की खेती कर हर साल औसतन 10 लाख की कमाई कर रहे हैं।

लखीमपुर के रघुनंदन सिंह ने बताया कि सागौन व चंदन की खेती करते हैं, लेकिन इसे बेचने में दिक्कत आ रही है। इसे और अधिक प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

गाजीपुर के रामभजन राय ने बताया कि औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। किसानों को इसे अपनाना चाहिए। इससे वह लाखों रुपये कमा रहे हैं।

पीलीभीत के अरविंद सिंह ने बताया कि एक एकड़ में वह बांस की खेती करते हैं। इससे तीन लाख रुपये की उनकी वार्षिक बचत होती है।

- **इनका भी सम्मान :** मेले में गोंडा के ओमप्रकाश मिश्र, प्रवीण कुमार सिंह, बेचन मौर्य, राकेश कुमार मौर्य, संतोष कुमार मिश्र, जगतराम प्रजापति, राजेंद्र पांडेय, रामछवि मौर्य, ओमप्रकाश पांडेय, शारदाकांत पांडेय, अरुण तिवारी को भी सम्मानित किया गया।

किसान सागौन-चंदन के पेड़ लगाएं: कीर्तिवर्धन

समारोह

गोण्डा, संवाददाता। वृक्ष उत्पादक मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं बल्कि एक आंदोलन है, ऐसा आंदोलन जो हमें पर्यावरण सरंक्षण, हरित विकास और समृद्ध की ओर अग्रसर कृषि वानिकी की राह दिखाता है। जलवायु परिवर्तन दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में कृषि वानिकी का महत्व और बढ़ जाता है। ये बातें जिला पंचायत सभागार में शुक्रवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वन व पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह राजा भैया ने कहीं। उन्होंने कहा कि सागौन और चंदन के पेड़ लगाने से किसानों की आय बढ़ेगी। समारोह में 20 प्रगतिशील किसानों को सम्मनित किया गया।

वृक्ष उत्पादक मेले में लगी प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन करते केंद्रीय वन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और अन्य।

वृक्ष उत्पादक मेला का मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन व विदेश राज्मंत्री कीर्तवर्धन सिंह राजा भैया ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि वृक्ष उत्पादक मेले का मकसद है अपने लोगों के बीच में पेड़ों के महत्व बताना है। जिले में अभी तक ज्यादातर किसान गेहूं, धान को छोड़कर गन्ना बोते हैं। कहा कि सागौन, शीशम और अन्य पेड़ों को लगाने से उनकी आय बढ़ेगी। इसमें वैज्ञानिक उचित जानकारी देंगे। शीशम और चंदन के पेड़ों की कटान स्वीकृति को सरल किया जाएगा। आईसीएफआरई केंद्र प्रमुख प्रयागराज डॉ. संजय सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।

राजा भैया ने किसानों से सीधा संवाद किया

कीर्तिवर्धन सिंह ने अन्य जिलों से आए प्रगतिशील किसानों से सीधा संवाद कर जिले के किसानों से रूबरू कराया। लखीमपुर से किसान यदुनंदन सिंह ने कहा कि किसान पौधों को लगाने के लिए एक सीमित जगह बनाए। जिसमें पौधे की प्रजाति तय करें। उन्होंने कहा कि सागौन और चंदन पेड़ को कृषि वानिकी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि अभी तक औषधियों के बाजार की मंडी नहीं है।

किसान सागौन-चंदन के पेड़ लगाएं: कीर्तिवर्धन

वृक्ष उत्पादक मेले में लगी प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन करते केंद्रीय वन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और अन्य।

गोण्डा, संवाददाता। वृक्ष उत्पादक मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं बल्कि एक आंदोलन है, ऐसा आंदोलन जो हमें पर्यावरण सरंक्षण, हरित विकास और समृद्ध की ओर अग्रसर कृषि वानिकी की राह दिखाता है। जलवायु परिवर्तन दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में कृषि वानिकी का महत्व और बढ़ जाता है। ये बातें जिला पंचायत सभागार में शुक्रवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वन व पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह राजा भैया ने कहीं। उन्होंने कहा कि सागौन और चंदन के पेड़ लगाने से किसानों की आय बढ़ेगी। समारोह में 20 प्रगतिशील किसानों को सम्मनित किया गया।

वृक्ष उत्पादक मेला का मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन व विदेश राज्मंत्री कीर्तवर्धन सिंह राजा भैया ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि वृक्ष उत्पादक मेले का मकसद है अपने लोगों के बीच में पेड़ों के महत्व बताना है। जिले में अभी तक ज्यादातर किसान गेहूं, धान को छोड़कर गन्ना बोते हैं। कहा कि सागौन, शीशम और अन्य पेड़ों को लगाने से उनकी आय बढ़ेगी। इसमें वैज्ञानिक उचित जानकारी देंगे। शीशम और चंदन के पेड़ों की कटान स्वीकृति को सरल किया जाएगा। आईसीएफआरई केंद्र प्रमुख प्रयागराज डॉ. संजय सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।

राजा भैया ने किसानों से संवाद किया

कीर्तिवर्धन सिंह ने अन्य जिलों से आए प्रगतिशील किसानों से सीधा संवाद कर जिले के किसानों से रूबरू कराया। लखीमपुर से किसान यदुनंदन सिंह ने कहा कि किसान पौधों को लगाने के लिए एक सीमित जगह बनाए। जिसमें पौधे की प्रजाति तय करें। उन्होंने कहा कि सागौन और चंदन पेड़ को कृषि वानिकी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि अभी तक औषधियों के बाजार की मंडी नहीं है।